

①

Dr. Honey Sinha  
(Assistant Professor)

Lecture no: 102

B. Com part - I<sup>st</sup>

Dept. of Commerce  
Sub: Auditing (HONS)  
Paper - II<sup>nd</sup>

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

•

Introduction आन्तरिक नियंत्रण पद्धति को प्रभावित करने वाले कारक (FACTORS INFLUENCING INTERNAL CONTROL SYSTEM) और आन्तरिक नियंत्रण पद्धति की सीमाएँ (LIMITATIONS OF INTERNAL CONTROL SYSTEM)

\*

आन्तरिक नियंत्रण पद्धति को प्रभावित करने वाले निम्न कारक हैं :-

①

संगठनात्मक संरचना (Organisational Structure)  
संगठनात्मक संरचना से भी आन्तरिक नियंत्रण पद्धति बहुत हद तक प्रभावित होती है। एक संगठनात्मक संरचना जो स्पष्टतः परिभाषित उत्तरदायित्व एवं प्राधिकार एवं असंगत क्रियाओं का पृथक्करण का प्रावधान कार्य के लिए दिसाव देयता निर्धारित कर नियंत्रण में वृद्धि करता है। अतः प्रबंध को चाहिए कि वह संगठनात्मक चार्ट, नीति नियमावली, सभा एवं संगोष्ठी के द्वारा प्राधिकार एवं उत्तरदायित्व का स्पष्टतः सम्प्रेषण कर दे।

②

प्रबन्ध नेतृत्व (MANAGEMENT LEADERSHIP) : किसी संस्था का प्रबंध, आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली को

(2)

प्रभावपूर्ण ढंग से लागू करने के लिए पूर्ण रूप से उत्तरदायी होता है। यह प्रबंध की प्रवृत्ति से बहुत दूर तक प्रभावित होता है।

(3) कर्मचारी (Personnel): कर्मचारियों की विशेषताएँ क्षमता, रुकता एवं नियंत्रण तकनीक आन्तरिक नियंत्रण पद्धति को प्रभावित करते हैं। प्रबंध को चाहिए कि वह किसी ऐसी नीति को लागू नही करे जिससे संस्था के कर्मचारी वित्तीय आँकड़ों के टेर-फेर के लिए सौख्यदाहित हो।

● आन्तरिक नियंत्रण पद्धति की सीमाएँ

(LIMITATIONS OF INTERNAL CONTROL SYSTEM)

आन्तरिक नियंत्रण पद्धति की मुख्य सीमाएँ निम्नलिखित हैं :-

(1) लागू करने की उच्च लागत (High Cost of Implementation)

अधिक लागत होने के कारण लघु आकार के व्यवसाय में आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली को लागू नहीं किया जा सकता है। यह केवल बड़े व्यवसायों के लिए ही उपयुक्त होती है।



3

मानवीय त्रुटि की सम्भावना (Potential of

Human Error)

कर्मचारियों कि लापरवाही, निर्देशों को समझने में गलत पहली एवं निर्णयन की त्रुटि होने के कारण आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली प्रभावपूर्ण ढंग से लागू नहीं किया जा सकता है।

3

मिलीभगत की सम्भावना (Possibility of

Collusion)

आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली के अन्तर्गत कर्तव्यों का वृथक्करण एक अनापारभूत सिद्धान्त है। एक लेनदेन के विभिन्न पद लुओं का लेखा करने वाले कर्मचारियों के बीच मिलीभगत कि सम्भावना हमेशा बनी रहती है जिसे आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली को प्रभावपूर्ण ढंग से लागू करना संदिग्ध हो जाता है।

4

साधिकार का दुरुपयोग (Misuse of Authority)

इसका तात्पर्य है कि आन्तरिक नियंत्रण प्रक्रिया संलग्न व्यक्ति ही अपने साधिकार का दुरुपयोग कर सकता है। उदाहरण के लिए स्टोर किपर जिसे पास भंडार कि कुंजी है, दयान्तिगत प्रयोग के लिए माल का प्रयोग करे।

5

अपर्याप्तता (Inadequacy) :-

आज का समय परिवर्तन का समय है। इन दिनों व्यवसाय के स्वतंत्र एवं विविध वातावरण

